

## मध्य प्रदेश: भारत की खनन राजधानी के रूप में उभर रहा है

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश अपनी विशाल खनन संपदा और बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाते हुए [भारतीय खनन क्षेत्र](#) में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बिना रहा है।

### मुख्य बंदी

- **खनन संपदा:**
  - मध्य प्रदेश [हीरा उत्पादक](#) एकमात्र राज्य है तथा मैंगनीज़, ताँबा, चूना पत्थर और कोयले के उत्पादन में अग्रणी है।
  - [पनना हीरा खदान](#) से प्रतिवर्ष 1 लाख कैरेट हीरा उत्पादन होता है, जबकि बंदर ब्लॉक में 32.2 मिलियन कैरेट हीरा है।
  - खनन ब्लॉक नीलामी में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी रहा, जहाँ वर्ष 2022-23 में 78 ब्लॉकों की नीलामी की गई और खनन नीलामी के लिये शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किये गए।
  - राज्य में 5.1 लाख कमी. सड़कें, 7 हवाई अड्डे और 6 अंतरदेशीय डपि हैं।
  - जला खनन नदि ने स्थानीय विकास के लिये 7,500 से अधिक परियोजनाएँ पूरी की हैं।
- **नविश के अवसर:**
  - खनन प्रौद्योगिकी (AI/ML) और ऊर्जा पर चर्चा के लिये 17-18 अक्टूबर, 2024 को दो दृष्टि सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे।
  - मध्य प्रदेश [कोलबेड मीथेन \(CBM\)](#) और [राष्ट्रीय गैस](#) ग्रिड कनेक्शन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

### भारत में हीरा उद्योग

- भारत दुनिया में हीरों की कटाई और पॉलिशिंग का सबसे बड़ा केंद्र है तथा वैश्विक स्तर पर पॉलिश किये गए हीरों के निर्माण में 90% से अधिक का योगदान यहीं पर है।
- भारतीय खनन वर्ष पुस्तिका 2019 के अनुसार, भारत के हीरा क्षेत्रों को चार क्षेत्रों में बाँटा गया है:
  - मध्य प्रदेश का मध्य भारतीय भूभाग, जिसमें पनना बेल्ट शामिल है।
  - आंध्र प्रदेश का दक्षिण भारतीय क्षेत्र, जिसमें अनंतपुर, कडपा, गुंटूर, कृष्णा, महबूबनगर और कुरनूल जिले के कुछ हिस्से शामिल हैं।
  - छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में बेहरादीन-कोडावली क्षेत्र और बस्तर जिले में तोकापाल, दुगापाल आदि क्षेत्र।
  - पूर्वी भारतीय भूभाग, जो अधिकतर ओडिशा का है, [महानदी](#) और [गोदावरी घाटियों](#) के बीच स्थित है।
- वर्ष 2022 में, भारत कटे और पॉलिश किये गए हीरों के शीर्ष निर्यातकों में पहले स्थान पर है।